प्रकाशनार्थ

आद्री में गवर्नेंस पर पुस्तक का लोकार्पण

पटना, 20 दिसंबर। आज आद्री में ''लास्ट अमंग इक्वल्स : पावर, कास्ट एंड पॉलिटिक्स इन बिहार्स विलेजेज'' (समानों के बीच अंतिम : बिहार के गांवों में सत्ता, जाति और राजनीति'') नामक पुस्तक का लोकार्पण किया गया जिसमें बिहार में शासन पर विचार किया गया है। पुस्तक को अमेरिका के मेरीलैंड विश्वविद्यालय के डॉ. एम. आर. शरण ने लिखा है। लोकार्पण कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य के मुख्य सचिव श्री त्रिपुरारी शरण ने की।

पुस्तक के बारे में बोलते हुए डॉ. शरण ने कहा कि अपनी पुस्तक में उन्होंने आवश्यक रूप से आरक्षण, संपत्ति निर्माण और राजनीतिक भागीदारी के साथ-साथ इस पर भी बात की है कि लोकतंत्रीकरण पर विकेंद्रीकरण का कैसा असर पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पुस्तक में इस बात से भी आगे जाकर चर्चा की गई है कि बिहार में विकास में जातीय पहचान की कैसी भूमिका है और ग्रामीण बिहार के लोग राजनीति और विकास के बारे में वास्तव में क्या सोचते हैं। लेखक ने स्पष्ट किया कि उनकी पुस्तक में अनेक उपाख्यान हैं, इसके बावजूद पूरे राज्य से संकलित आंकड़ों का विश्लेषण ही उसका आधार है।

बिहार में शिकायत निवारण प्रणाली के लाभार्थियों के साथ लेखक की बातचीत का पुस्तक में काफी उपयोग किया गया है। इसके अलावा, पुस्तक में इस पर भी काफी विचार किया गया है कि ग्रामीण बिहार में चीजें कैसे चलती हैं और इसकी भी झलक पेश की गई है कि शासन के क्रम में राजनीति और जाति कैसे भूमिका निभाती है।

इस अवसर पर आद्री के सदस्य-सचिव प्रोफेसर प्रभात पी. घोष ने पुस्तक के लोकार्पण के लिए आद्री को चुनने के लिए डॉ. शरण को हार्दिक धन्यवाद दिया।

अन्य गणमान्य लोगों में श्रीमती हरजोत कौर, डा. सुनीता लाल, डा. नन्दिनी मेहता, आद्री के संकाय सदस्य और शिक्षा जगत, नागरिक समाज तथा मीडिया के लगभग 50 जाने माने लोग इस अवसर पर मौजूद थे।

डॉ. अस्मिता गुप्ता ने इस अवसर पर धन्यवाद ज्ञापन किया।

(अंजनी कुमार वर्मा)